THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.
MBB—1971— 145—78

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

IASWR

MICROFILM PROJECT MBB-11

MBB-1973-145
1. Film strip number

60
2. Source

KOLĀSYĀSAMĀDHI
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. 868 + 880 = A.D. 1748
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPĀLĪ PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

ANCIENT NEWĀRĪ
8. Script

18 cm. x 8 cm.
9. Size

8
10. Lines to a page

7
11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

15. Remarks

This is Ritual text on Kolāsyā deity.
One of the secret books of Āgama stare with
Newārī explanation.

Feb. 5, 1973
Date photographed

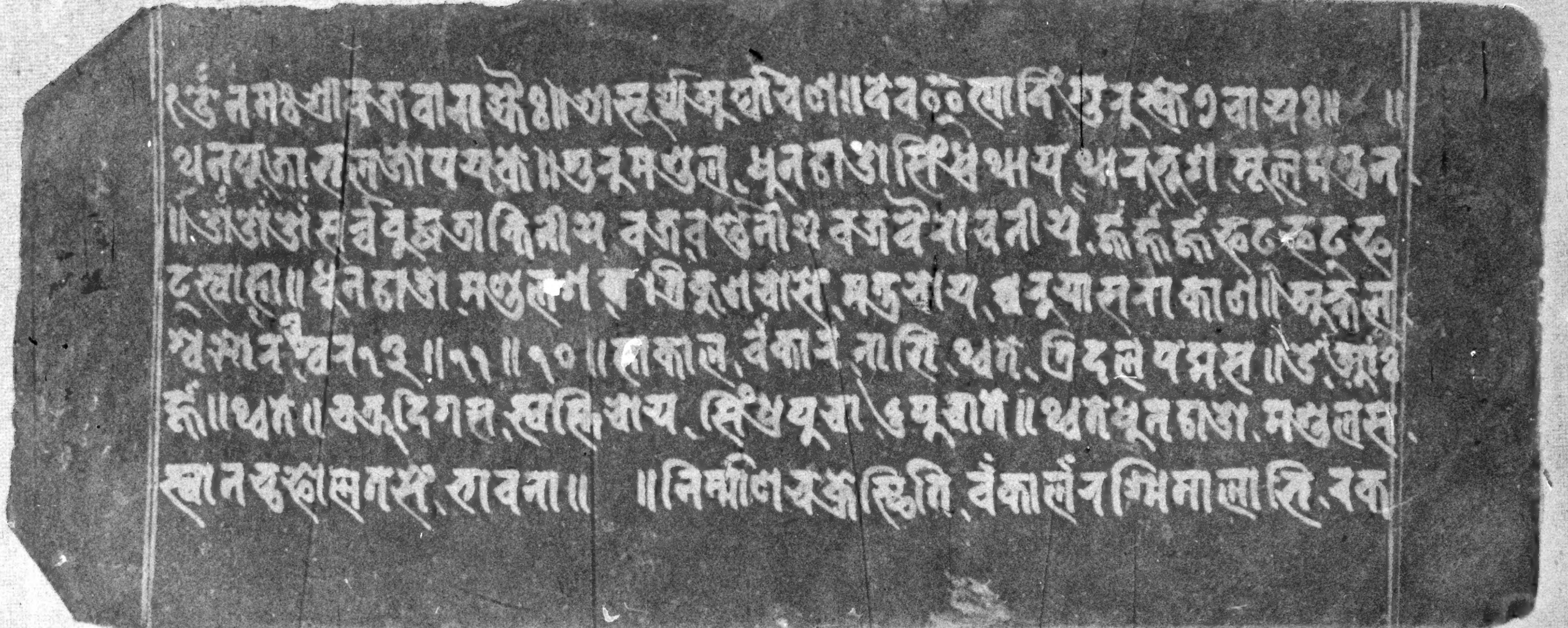

त्रिभुवनवल्लिनी भुवनदवनी साक्षय समयदवलीतलवयत॥ ॥ॐ॥ज्ञा॰
लासूजा॥ॐ॰अ॰ह्रीं नमो वाग्वादिनि ववरदे स्वाहा॥ यक्षीमंत्र॥ॐ॰अ॰
प्रीक्षणी॰अ॰ह्रीं॰ह्रीं॰ह्रीं

ओं ह्रीं ह्रूं ह्रः स्वाहा ॥ ऊर्ध्वमुखाय ॐ कामरूपाय वज्रपुष्पाय ओं ह्रीं ह्रूं ह्रः स्वाहा ॥ ॐ पश्चिममुखाय ॐ श्रीहरिकाश्यपाय वज्रपुष्पाय ओं ह्रीं ह्रूं ह्रः स्वाहा ॥ दक्षिणमुखाय ॐ ब्रह्मीकाश्यपाय वज्रपुष्पाय ओं ह्रीं ह्रूं ह्रः स्वाहा ॥ ॐ पश्चिममुखाय ॐ इन्द्राकाश्यपाय वज्रपुष्पाय ओं ह्रीं ह्रूं ह्रः स्वाहा ॥ वायुवेगमुखाय ॐ निर्मानिकाश्यपाय वज्रपुष्पाय ओं ह्रीं ह्रूं ह्रः स्वाहा ॥ नैऋत्यमुखाय ॐ महासुरकाश्यपाय वज्रपुष्पाय ओं ह्रीं ह्रूं ह्रः स्वाहा ॥ ऊर्ध्वमुखाय ॐ नरावलोकाय वज्रपुष्पाय ओं ह्रीं ह्रूं ह्रः स्वाहा ॥ एवं दिगस्थलीकाय ॥ ४ ॥ वामावलोकन ॥ वेशाप तत्व यु
जा. वाजगलाभ्यां षष्ठावदनेऽमृतमुद्रा ॥ कालमत्व षट्लांकुलकुलविद्य

दशपटलाधिकविधं सर्वस्त्रीजनमुखदाहिणी स्तंभनी मोहिनी जगद्वशंकरी
नाशिनी वज्रकुलनाथवासिनी सादवज्रवारी वज्रसमाजसहिता साधसाध्य
सपानदेयदा स्तंभनीमोहिनवज्रत्रिधी ॥ ॥मन्त्रोयथा॥ ॐ अंआंकंखंठः ॥
ॐ ईंईंक्लींकंखंठः ॥ ॐ उंऊंटंठंठः ॥ ॐ ऋंॠंतंथंठः ॥ ॐ ऌंॡंदंधंठः ॥ ॐ एंऐंनंपंठः ॥
ठः ॥ ॐ ओंऔंबंफंठः ॥ ॐ अंअंभंमंठः ॥ ॐ नमोभगवते वज्रवाराही कंखंठः ॥
ॐ नमोभगवतो जयेवाजित शत्रुमारमर्दनकंखंठः ॥ ॐ नमःसर्वतथागतेभ्यो वज्रस
त्वजंकंखंठः ॥ ॐ नमोवज्रासनजूंजिंजूंवाजिंवश्यकरीसर्वस्त्रीमोहिनीकंखंठः

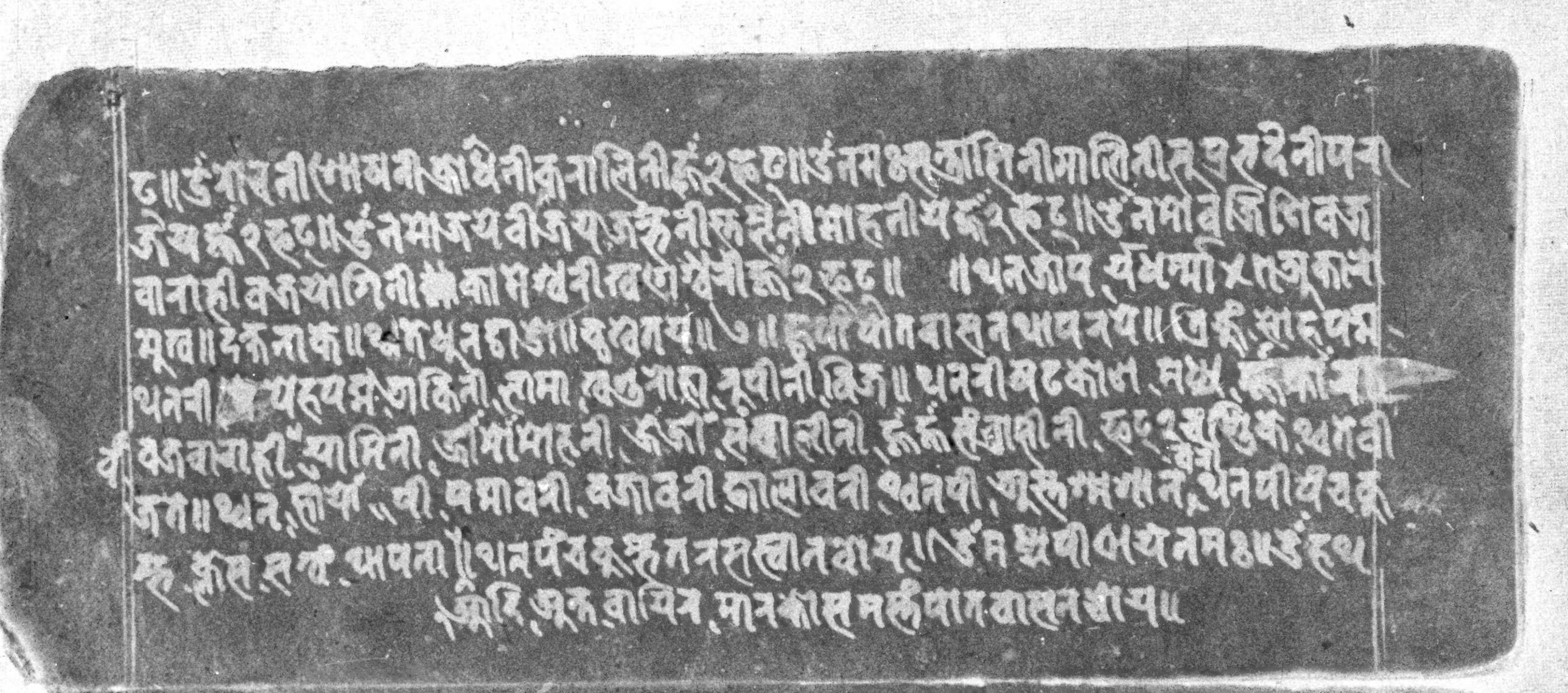

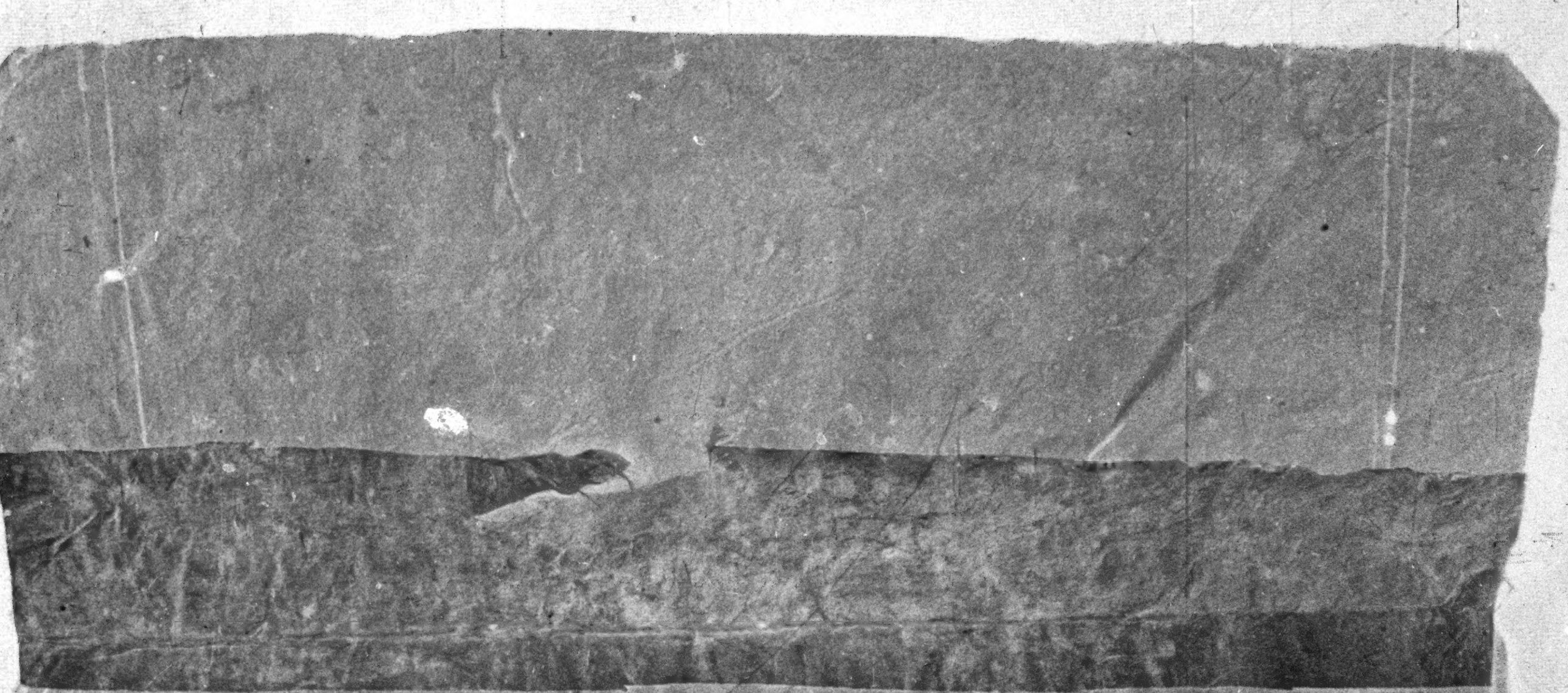

थनदवपूजा॥धूप नीराजन विधि पूर्ववत्॥पुष्प धूप दिप गन्ध नैवद्यादि
कलसल गोश्वादि दक्षयेत्॥ —०— ॥थने वाधपूजा याय मालका॥ मस्तुलथल
या गकालसने स्नानगान प्रतिष्ठादिय ।सथनमाहात्मिग शिखिदक्षनापूजा
॥ध्यु दिसमय यष्ठासमय॥थाथनतव दुवोमात्रव ग्रामतुल थनवृक्षमापन
मगकाने नकालयका वृहिवगस्य थनवीक्षणशिखक मकुवाशिवकलाय थनदव
स शिखनकालयका वगथागिनीय थनवीवृक्षजादि शिखगमाहात्मीगाय मठथा
नीवृक्षजादि मालकागविय ।मस्तुलया शिखगवक माहात्मि सथीथीयिय नक
गृहकाकामा स्थान वगामथिविक्षेपविय सकवस्थे॥ ॥थनगिता मस्थ

थवतपीरक्षणाय॥ ॥थसरस्वतिशुभाङ्गयवियमाय॥ ॥वंसिरक्षा
नसुस्थानेगं॥रावला॥ ॥यूंकेवक्षायनीयोगा॥कानवीजं॥डंहियोजायनीगा॥
वावबीजं॥पश्चिमहृदायनीकुक्षमारा॥कानवीजं॥दक्षिणेवाराहीयक्षवस्त्रवका
यबीजं॥उत्तरेकौमारीयक्षीकावावीजं॥ऐंमायेबीजंश्रीमाहिगवानवीजं॥वापूथवा
सुजयक्षीं॥यकारवीजं॥ॐभानमरालक्षीखेगा॥यकारवीजं॥अंहरीरवीसंहरक
लकलाग॥स्वाहवक्षेविसाग्रे॥ ॥मावरुपाकवाचपीलासिरुपाकथाघोडा
विया॥सवर॥॥अवरेवक्ष॥॥यक्षकिनालिलिरिपुरा॥ईश॥